Deptt of Political Science
D.B. College-Jaynagar
By- DR. Ahlasyam (?)
(Asstt Prof. (G.Part.T) Pol. Sc.)
B.A Part - II (H) Paper (IV)
Date - 07-08/20
Lecture - No - 05
(Comparative Government and Politics)

राजनीतिक आधुनिकीकरण के अभिकरण —

राजनीतिक आधुनिकीकरण क्योंकि आमूल चूल परिवर्तन होता है जिसमें कई अभिकरणों और माध्यमों की भूमिका रहती है। किन्तु राजनीतिक आधुनिकीकरण का प्रत्यक्ष सम्बन्ध आर्थिक विकास से नहीं जोड़ा जा सकता है। डा० एस० पी० वर्मा ने स्पष्ट कहा है कि— " सामाजिक संचार और आर्थिक विकास दोनों ही राजनीतिक आधुनिकीकरण के निर्णायक तत्व माने जाते हैं और उससे विकासशील देशों के लिए परिणाम निकले हैं।" फिर राजनीतिक आधुनिकीकरण के कुछ प्रमुख अभिकरण इस प्रकार हैं —

(1) बुद्धिजीवियों के द्वारा राजनीतिक व्यवस्थाओं के साधनों, गन्तव्यों और उद्देश्यों के विकल्प सुझाये जाते हैं। इन्हीं विकल्पों में से कुछ का चयन करके राजनीतिक शक्ति को संरचनात्मक रूप दिया जाता है। अभिजन इन संरचनात्मक व्यवस्थाओं से सम्बन्धित प्रक्रियाओं के कार्मिक होते हैं। इनकी विचारधारा और विशेष प्रकार की मान्यताएं व आकांक्षाएं राजनीतिक आधुनिकीकरण का परिप्रेक्ष्य तैयार करती हैं। इन्हीं के द्वारा राजनीतिक आधुनिकीकरण की प्रक्रियाएँ सक्रिय या शिथिल बनती हैं।

(2) राजनीतिक दल भी राजनीतिक आधुनिकीकरण के प्रमुख उपकरण होते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में इनकी भूमिका सर्वविदित है। सर्वाधिकारी शासनों में तो एकाधिकारवादी राजनीतिक दल ही राजनीतिकरण का प्रेरक रहता है। राजनीतिक दलों के माध्यम से विचारधारा को आधुनिकीकरण का शक्तिशाली — अभिकरण माना जाता है।

(3) सरकारों का राजनीतिक आधुनिकीकरण के अभिकरण के रूप में विशेष महत्व है। आधुनिक राजनीतिक व्यवस्थाओं

P.T.O

Scanned with CamScanner

BA part II

Paper – IV (H)

Lecture – No – 05

By – DR. A.K. Yadav (Asstt Prof) RDT

में सरकारों के माध्यम से ही अधिकांश कार्यों की पहल होती है सरकारों के पास बाध्यकारी शक्ति होती है। सरकारें आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक क्षेत्रों में बहुमुखी प्रगति की प्रेरक बनकर राजनीतिक व्यवस्था के आधुनिकीकरण की आधार भूमि तैयार करने का प्रभावी माध्यम बन जाती है।

(4) आधुनिक नौकरशाही द्वारा भी राजनीतिक में परिवर्तन की भूमिका अदा की जाती है। नौकरशाही शासन को स्थिरता प्रदान करती है। परम्परागत समाज को आधुनिकता के परिवेश में लाने का प्रयत्न करती है और सुदृढ़ एवं कुशल नीतियों के माध्यम से राजनीतिक ~~विकास~~ आधुनिकीकरण का पथ प्रशस्त करती है।

(5) राष्ट्रीयता के भावना के विकास और एक राष्ट्रीय राज्य के निर्माण से भी राजनीतिक आधुनिकीकरण का मार्ग प्रशस्त होता है।

(6) क्रांतिकारी नेताओं के द्वारा भी राजनीतिक आधुनिकीकरण को बढ़ावा मिलता है। क्योंकि उन नेताओं में कुछ विशिष्ट गुण होते हैं। यदि उनका व्यक्तित्व अधिक प्रभावशाली है तो वे अवश्य ही सफल होते हैं। ऐसे नेता ज्यादातर मध्यम मार्ग का अनुसरण करते हैं और साथ ही साथ वे परम्परा और नवीनता दोनों के प्रति सद्भावना बरतते हैं और आधुनिकीकरण का नया मार्ग प्रशस्त करते हैं। –

Date – 07-08-20

By – DR. A.K. Yadav
(Asstt Prof G.D.T.T)
Pol - Sc

Scanned with CamScanner